Murmualso noted that the IITs had proved to the world the capability of India in the domains of technology

sised the need to shift from fossil fuels to conomic growth was very igh as a developing country with a high population base. As the world anxiously poked for technological solu-

ons to environmental chal nges in the years ahead e said she was confident dia's youngengineers and ientists would help amankind achieve a breakcientists

Speaking at the closing mony of the Diamone bilee celebratie ons of The dian Institute of Technolegy, Delhi, the president said he IITs had proved to the orld the capability of India



and technology.

In more than one way,
the story of the IITs was the

She said some of those who studied in IIT Delhi and in other IIT's were now at the forefront of the digital revo-lution sweeping the world. Moreover, the impact of IITs has gone beyond science and technology, IITians were lead-ers in every walk of life - in education, industry, entre-preneurship, civil society, activism, journalism, litera-ture, and politics. The president noted that as one of the original IITs, IIT Delhi was a mentor to some of the recent members of the club - IIT Ropar and IIT Jammu, Thus, the IIT Delhi has contributed significantforefront of the digital revo-

has contributed significant-ly to building the image of the IITs as centres of excellence ass the world, she said.

The president was happy to note that IIT Delhi has always seen itself as part of the larger community and it

responsibility toward society She said that the latest exam ple of its social concern w seen during the initial phase of the Covid pandemic. Ris of the Covid pandemic. Ris ing to the challenge of con taining the virus, it initiates important research and devel opment projects. It designee and developed rapid anti gen test kits, PPEs, antimi crobial fabrics, high-effi ciency face masks, and low cost ventilators, among othe cost ventilators, among oth things. The IIT Delhi's co tribution to India's fig against the Coronavirus h been a model of how eng neering and technology inst tutions too could play a ro in a public health crisis Murmu said. The presiden said that by 2047 when th country would celebrate the centenary of Independence the world would have change

drastically, thanks to the Fourth Industrial Revolution

The Indian Express

At IIT-D's Diamond Jubilee event. President hails its Covid response

EXPRESS NEWS SERVICE

President Droupadi Murmu Pl

at ITT-Delhi. In 2014, she wa

was recognised as a Forbes under 30 Asia' for her start Today her company, Agrowa touches farmers' lives," he sai



The Financial Express

President Murmu lauds the institutions for shaping the nation's global standing

'Story of IITs is the story of free India'

SPECIAL CORRESPONDENT

President Droupadi Murmu on Saturday hailed the IITs for their contribution to the story of India and for improving the country's standing on the global stage.

"The story of the IITs is the story of independent India." the President said at the closing ceremony of diamond jubilee celebrations of Indian Institute of Technology (IIT)-Delhi.

"Your faculty and alumni have shown the world our brainpower. Some of those who studied here and in other IITs are now at the forefront of the digital revolution sweeping the world. Moreov-



the diamond jubilee celebrations of the IIT-Delhi. • PTI

er, the impact of IITs has gone beyond science and technology. IlTians are leaders in every walk of life - in education, industry, entrepreneurship, civil society,

activism, journalism, literature and politics," said Ms. Murmu.

The President pointed out that the premier institutions derived their strength partly

expanded beyond their traditional strengths in science and engineering by offerin programmes in humanities social sciences, design, man agement and public policy.

"This multi-disciplinary approach is well aligned with the new National Education Policy (NEP)," Ms Murmu added.

Looking towards the nex 25 years, it is the threats o climate change that posed a serious challenge, she point ed out and urged IITs to ex plore technological solu to environmenta challenges and help th country achieve the Sustain able Development Goals.

Read here- https://www.thehindu.com/news/national/president-droupadi-murmu-addresses diamond-jubilee-celebrations-of-iit-delhi/article65844933.ece

Amar Ujala

अमरउजाला

हो पत्र लिखा गया है। उन्होंने का

शिक्षण संस्थानों को भविष्य के लिए तैयार करना जरूरी : मुर्मू

Read here- https://www.thestatesman.com/india/iits-pride-nation-president-murmu-1503107548

आईआईटी दिल्ली के डायमंड जुबली समारोह कार्यक्रम में पहुंचीं राष्ट्रपति

ाई दिल्ली। राष्ट्रपति ड्रोपदी मुर्गू ने हहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी) राष्ट्र का गौरव हैं। प्राईआईटी की फैकल्टी और पूर्व त्रों ने दुनिया को अपनी कावलियत खाई है। ये शनिवार को आईआईटी रल्ली के गोल्डन जुबली कार्यक्रम हा संबोधित कर रही थीं। उन्होंने हहा कि आईआईटोयन दुनिया भर में राक्षा, उद्योग, उद्यमिता, नागरिक रामाज, सक्रियता, पत्रकारिता, राहित्य से लेकर राजनीति में सवर सहाहत्य स लेकर राजनात म सवस आगे हैं। उन्होंने भविष्य की चुनेतियों पर बात करते हुए संस्थानों को उसके अनुकूल बनाने पर जोर दिया। साथ ही उम्मीद जताई कि भविष्य की दिककर्तों में भी आईआईटी

योजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति का ः पहला दौरा था। राष्ट्रपति ।ईआईटी की विजिटर भी हैं। न्होंने कहा कि आईआईटी दिल्ली ने मेशा मेंटर यनकर सबको आगे हिने में सहयोग करता है। यह रमाज के प्रति अपनी जिप्मेदारी के

राष्ट्रपति वोलीं, आईआईटी

को देखते हुए आईआईटी दिल्ली ने महत्वपूर्ण अनुसंधान और विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इसने अन्य चीजों के अलावा रैपिड एंटोजन टेस्ट किट, पीपीई, एंटोमाइक्रोबियल फेब्रिक, उच्च दक्षता वाले फेस मास्क और कम

और थिकसित किया। कोरोना

औद्योगिक क्रांति से बदलाव के लिए तैयार रहे यण्ड्रपति ने कहा कि 2047में जब हम स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहे होंगे तो पत्रियं आंडोमेंक ऋति से दुनिया में काफी यदस्त्व आ गरू होगा इस तरह हम 25 साल पत्रेत सम्कलतेत दुनिया में करण नात्र ने की दिवसे में नहीं थे, उसी वरह आज हम करमना नहीं कर सकते हैं कि कैसे आर्टिकिशियल 3-पा 30, अब हुन के प्रत्यान विकास की व्यवस्त जा रहे हैं। हमारी उच्च जनसंख्या देशितोंने और औदीमेरान जीवन को व्यवस्त जा रहे हैं। हमारी उच्च जनसंख्या के साथ, हमें भविष्य को तकतों से पिपटों के लिए दूरदिशंता और एपनीस्था की अवस्थाकता है जहां व्यवस्थान एक नया सामाय होता हो तकता का स्वस्था पूर्व तहर से बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें भिष्यिय की अनिदिचता से खुद को बचाने के लिए तैयारी करती होती। हमें अपने संस्थानों को भविष्य के

वायरस के खिलाफ भारत की लड़ाईं प्रौद्योगिकी संस्थान भी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट में भूमिका निभा रहा है कि कैसे इंजीनियरिंग और सकते हैं। Read here- https://www.amarujala.com/education/india-has-great-talent-pool-which-is-vet-to-be-

लोगों की दिक्कतों के समाधान पर काम करें शिक्षण संस्थान : प्रधान रहना चाहिए या उन्हें 2 श्री सदी में देश और दुनिया को निर्मायती होने ब्यादे संस्थान के रूप में प्रस्तुत किया जारा चाहिए? उन्होंने और देशर कहा कि अगर हमें 2 श्री सदी में देश और दुनिया को निर्मायती होने हैं तो व्यक्ति के संपूर्ण विकास के लिये राणनीत एवं रूपरेशा तैयार करनी होगी।आ ईआईटी दिस्ती भारतिय संस्तर का प्रास्त सहस्त्री (मालेश पर्टना?) धनना चाहता है और इस दिशा में लोकसभा अध्यक्ष को पर हिलावा गया है। उन्होंने कहा

फेंद्रीय शिक्षा व कौरात विकास मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आईआईटी दित्ती के डायमंड जुक्ती कार्यक्रम में कहा कि आईआईटी सिर्फ पढ़ाई और प्रमाणपत्र बांटने तक सीनित न रहें। बल्कि आम सोगों की दिक्कतों रहा बाल्क आम साम का दिकता के समाधार पर काम करें। दिश्या मंत्री ने कहा कि आईआईटी केवल एक संस्थान नहीं हैं। यह 2 गर्धी सदी के विश्वक मागरिक बनाने का शोर्ष केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि क्या हम केवल प्रीधोंगकी विकास से जुड़ी उपलिक्षों को ही विकास कार्ये उपलाक्ष्या का हा तकाहर कहन अथवा हमारी आईआईटी को दुलिया के 700 करोड़ लोगों के जीवन में मूलभूत यरलाव लाने का खाइक यनमा चाहिए। क्या भारतीय शिक्षण संस्थानों को केयल परीक्षा लेने, प्रमाणपत्र बांटने तक सीमित नहीं का पत्र शिक्षा गया है। उन्हान कहा कि विस्वविद्यालय, कालेज, संस्थान ज्ञान सहयोगी हैं। प्रधान ने वर्ष 2022 तक 5भी प्रौद्योगिको लागू होने की संभावना का जिक्क कर कर कि इससे शिक्षा एवं स्वास्थ्य के केन्न में क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे।

जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चनौती

राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चुनोती है। उन्होंने कहा कि एक उन अन्तरेख्या आध्य वाले किहासतील देश के रूप में, अर्थिक क्रिकार के दिए हमें उन्हों की येदर जरूरत है। इसलिए हमें जीवारम ईंपन से अर्थक उन्हों की और शिस्ट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आने वाले क्यों में,

'Education institutes should be future-ready

FE BUREAU New Delhi, September 3

PRESIDENT DROUPADI MURMU on Saturday stressed on the need to make educational

institutions future ready. asserting that if the country takes steps to protect itself from vagaries of the future, it can reap rich demographic dividends. The president was addressing the closing ceremony of diamond jubilee celebrations of the Indian Institute of Technology (IIT) Delhi.

"India has great talent pool which is yet to be fully tapped. We need to make our institutes adaptable to the future. This will require a new teachinglearning matrix, pedagogy and

content which are future-ori ented. I am confident that with our famed IITs, we will be able to nurture the younger genera tion with necessary knowledge base and right skills to face the challenge," she said. Calling IITs the country'

pride, Murmu said, "Their story

is the story of Independen

India.""IITs proved to the world the capability of India in the domains of education and technology. In more than one संबोधित करते हुए कहीं। way, the story of the IITs is the story of Independent India The IITs have contributed immensely to India's improved standing on the global stage today, Faculty and alumni of IITs have shown the world our brainpower," she said.

Read here- https://www.financialexpress.com/ education-2/iits-have-been-the-pride-of-ournation-president-droupadi-murmu/2654280/

The Tribune

Dainik Jagran

4 वैनिक जामरण नई दिल्ली, 4 सितंबर, 2022

ढिल्ली जामरण

शिक्षण संस्थान भविष्य के अनुकूल बनाने होंगे : मुर्मु

आइआइटी के हीरक जयंती समारोह के समापन समारोह में कहा कि देश में प्रतिभाओं की कमी नही को कहानी स्वतंत्र भारत की कहानी जनसंख्या आधार वाले विकासशील जागरण संत्राद्वाता, गई दिल्ली है। आइआइटी ने दुनिय में शिक्षा देश के रूप में, आर्थिक विकास के नहीं, ब्रल्कि 21वीं सदी का वैश्वि

और प्रौद्योगिकों के क्षेत्र में भारत

को क्षमता साबित की। इसने आज

रुष्ट्रपति श्रैपदी मुर्मु ने कहा कि शिक्षण संस्थानों को भविष्य के अनुकूल ग्रनने की आवश्यकता । इसके लिए भविष्योत्मुख नए शिक्षा मेटिक्स शिक्षाशास्त्र और समग्री की जरूरत होगी। उन्होंने ये बातें शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली के हीरक जयंती समारोह के समापन शर्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि

राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद प्रपने पहले सर्वजनिक कार्यक्रम में मुमुं ने कहा कि मुझे विरवास है कि हमारे प्रसिद्ध अङ्आइटी हमें चुनौती का सामन करने के लिए आवरयक तान आधार और सही कौशल के में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। सब्ध यवा पीडी का पोषण करने में आदआदर्श को टेश का गैरव बताते

दैनिका आजवण नई दिल्ले, ४ रिसंबर, 2022



राष्ट्रपति । सीमत्त्व, आइआइरी

अनिश्चितताओं से खुद को बचाने के लिए कदम उठाता है तो वह समद्व जनसंख्यिकीय लाभौश प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि देश सक्षम होंगे। अगर देश भविष्य की 🗷 राष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्थान परिवर्तन गंधीर चुनौती हैं। एक उच्च करने के लिए कोई पत्र न आता हो। संबंधित स्वारं

वैप्रिवक मेच पर भारत की बेहतर छवि बनाने में अहम योगटान टिया है। इसके संकाय सदस्य और पूर्व छात्रों ने हमारी बौद्धिक ताकत से दनिय का परिचय कराया है। वर्ष 2047 तक जब देश स्वतंत्रता की शताब्दी मनएगा, चौथी औद्योगिक में मदद करेंगे। क्रांति की बटौलत हमारे आस्प्रास की दनिय में भारी बदलाव आ चका होगा। हम आज कल्पना नहीं कर सकते हैं कि कैसे आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) तकनीक जीवन को बदलने जा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु

लिए हमार्च ऊर्जा की आवश्यकता ब्रहत अधिक है। ऐसे में हमें जीवारम ईंधन से अक्षय ऊर्जा की और बढ़ने की जरूरत है। आने वाले कों का पर्यवरणीय चुनौतियों के लिए दुनिय तकनेकी समाधान ढूंढ रही है। भारत के युवा इंजीनियर और विज्ञानी इसमें सफलता हासिल करने आइआटी से जड़कर काम करना

वास्ते हैं प्रिकृतित देश: केंद्रीय शिक्ष मंत्री धमेंद्र प्रधान ने कहा कि विकाससील ही नहीं विकासत देश भी आइआटी के साथ जुड़कर काम करना चाहते हैं। ऐस कोई स्रताह जलवायु परिवर्तन गंभीर चुनौती नहीं बीतता है, जब किसी देश से कुमार सूट भी मौजूद रहे। अइआइटी के साथ जहकर काम

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच प्रण के संकल्प को भी दौहराया वर्ष 2022 तक 5जी प्रौद्योगिक्यं ल होने की संभावन जताते हुए कहा ह इससे क्रांतिकारी परिवर्तन आएंरे आइआइटो के निटेशक प्रो. रंग बनर्जी ने आइआइटी की 60 सार को उपलब्धियों से अवगत कराय कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्ष राज्य मंत्र डा. सभाष सरकार राजकमार रंज सिंह और भारत सरकार के प्रध वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अञ

नागरिक बनाने का शोर्ष केंद्र है

आरआएटी टिल्ली भारतीय संस

का नालेज पार्टनर बनन चारता

Read here- https://www.jagran.com/delhi/new-delhi-city-ncr-iit-delhi-60-years-of-establishmentcelebrating-diamond-jubilee-in-presence-of-president-draupadi-murmu-and-dharmendrapradhan-23038837.html

Dainik Jagran

Hindustan Times

{ IIT-DELHI DIAMOND JUBILEE CELEBRATIONS }

Educational institutions must | IIT to be Parliament be future-ready: Prez Murmu

and IIT-D director Rangan

selves from vagaries of the future.

we can reaprich demographic div-idends. We need to make our insti-tutes adaptable to the future. This

will require a new teaching-learn-

ing matrix, pedagogy and content

which are future-oriented," Murmu said. "I am sure that with

our famed IITs, we will be able to

nurture the younger generation with the necessary knowledge base and right skills to face the

Pointing to the fact that climate

fully-tapped-said-president-droupadi-murmu-at-iit-delhi-event

NEW DELHI: Educational institu-ions must prepare the young for he future by imparting "necessary mowledge" and the "right skills," resident Droupadi Murmu said n Saturday, expressing confi-ence that this could be achieved with the help of the famed Indian institutes of Technology (IITs). The IITs are the pride of the

on and their story is the story f Independent India, the Presi-ent said at the closing ceremony f the IIT Delhi's diamond jubile By 2047, when India will cele-

rate its centenary of Independnce, the world would have nanged drastically due to the urth industrial revolution furmu said. We need to have here disruptions will be a new

"If we take steps to protect our-

'knowledge partner' NEW DELHI: The Indian Institute

the President said as a developing ntry with a high population energy requirement for eco

fossil fuels to renewable energy. India, as you are aware, has taken a praiseworthy lead in the interna a prasewormy read in the interna-tional stage in promoting solar energy," she said. "In the years to come, as the world anxiously looks for technological solutions to environmental challenges, I trust India's young engineers and scien-tists will help humankind achieve

Noting the contribution of IITs to India's improved standing on the global stage, the President said: Your faculty and alumni have shown the world our brain power Some of those who studied here and in other IITs are now at the forefront of the digital revolution sweeping the world. Moreover, the impact of IITs has gone beyond science and technology, IlTians are

leaders in every walk of life...

our energy requirement fo nomic growth is very high. "Hence, we need to shift from ner" of Parliament, the premier

education ministry, which has welcomed the proposal.

"A few days ago, the IIT-D director asked us how the institute can work closely with the Parliament of India, I asked them to write a letter and they did. I have forwarded that letter to the speaker, "Union education minister Dharmendra Pradhan said at IIT-D's diamond jubilee celebra-

Educational institutions like the IITs should become the "knowledge partners" of the "temple of democracy", he said. Explaining the idea behind the proposal, IIT-D director Rangan Banerjee said the institute wants to provide inputs to parliamenta-

rians across party lines on several

pressing issues, including climate

institution has told the Union



change and artificial intelligenc

"We feel that it is our respons bility to engage with parliamer tarians and make them aware

mentioned IIT-D's plan of esta lishing a campus in Abu Dhab "It is a matter of great pride tha evincing interest towards establishing and hosting offshore II' campuses in their countries. This is a reflection of the provess tigious IITs," he said.

Need to make edu institutes future-ready, says President TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, SEPTEMBER 3

President Droupadi Murmu today called the Indian Instiutes of Technology (IIT) pride of the nation as they had proved to the world the capability of India in the

domains of education and

echnology. "In more than one way, the story of the HTs is the story of in independent India," said Murmu while addressing the closing ceremony of the dianond jubilee celebrations of IIT-Delhi. Stressing the need for making educational institutions future ready, she said, "If the country takes steps to protect itself from vagaries of the future, it can reap rich demographic dividends."

Praising their contribution o India's improved standing on the global stage, the President said faculty and alumni of IITs had shown the world ndia's brainpower.



oupadi Murmu at IIT-Delhi.

me of those who studie in IIT-Delhi and in other IITs are now at the forefront of the digital revolution sweeping the world. Moreover, the impact of the IITs has gone beyond science and technol gy. IITians are leaders in every walk of life —educa tion, industry, entrepreneur ship, civil society, activism journalism, literature an

जागरण सिटी दिल्ली

आइआइटी की स्टार्टअप प्रदर्शनी में उपकरण बने आकर्षण का केंद्र

1961 में भारतीय क्षेत्रस्थित शंतकत (आद्रशादरी) दिल्ही की त्यानगर्भात साता द्राको में की गई।

ऐसा रहा आइआइटी दिल्ली का 60 साल का सफर आइआइटी दिल्ली से निकले सितारे

मूह के कैंसर की जांच के लिए किट

इस तरह बदा छात्रों का कारवी 1966 d 500 d per per zeroler school et opt oft et 1971 tost torret

2016

अकार्यमेक प्रदर्शन 588 अधीरा । असे के जिस आद्यावरी

1100 शर्म स प्रोक्तर दुवा है। 1300 800 sam

Read here- https://www.tribuneindia.com/news Read here- https://www.jagran.com/delhi/new-delhi-city-iit-delhi-startup-21-companies-showed /nation/need-to-make-education-institutes-future their-strength-scooty-running-from-55-km-to-125-km-will-come-in-the-market-jagran-special -ready-says-president-droupadi-murmu-428330 23041570.html

adaptable-to-the-future-president-murmu-at-iit-delhi-event-101662290837090.htm

320 371 att a rana à om क्षेत्रम केरी : देश को एक परित मेंटर, छह स्वृत और विजेत हैं। 1966 (sed dat sectes) 1975 talebal and